पाठ 15. मेरी शिक्षा (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति थे। उनके बचपन से जुड़ी यादों को सहेजता-समेटता यह पाठ उनकी सादगी को उजागर करता है व उससे प्रेरित होने की भावना विकसित करता है।

अध्यापन संकेत

यह पाठ केवल पठन के लिए है। पाठ के मौखिक वाचन के बाद कुछ बच्चों से पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न बनवाएँ। इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करें। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की जीवनी से संबंधित कुछ अन्य प्रसंग भी सुने-सुनाए जा सकते हैं।